केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संगठन)
CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION
(An Autonomous Organisation Under the Ministry of Education, Govt. of India)
आज़ादी का अमृत महोत्सव

केमाशिबो(शैक्षणिक)/उस (रदी)/2023 **जनवरी 24, 2023**

परिपत्र सं. शैक्षणिक-17/2023

केमाशिबो से संबद्ध सभी संस्थानों के प्रमुख

विषय: जी20 पर संक्षिप्त लेख

भारत के जी20 अध्यक्षता के संबंध में 22 दिसंबर, 2022 के परिपत्र संख्या शैक्ष. -158/2022 के क्रम में, यह सूचित किया जाता है कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने कक्षा VI से VIII और IX से XII तक के बच्चों के लिए 2 संक्षिप्त लेख तैयार किए हैं, जिसमें जी20 के विषय में रुचिकर और आयु के अनुसार जानकारी दी गई है। यह जानकारी विद्यालय जाने वाले बच्चों को अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य, इसकी गतिशीलता और इसमें भारत की स्थिति की एक झलक लेने और समझने में सक्षम बनाएगी। यह उन्हें गंभीर रूप से सोचने, नवाचार करने, संवाद करने और एक परिवर्तन निर्माता बनने में सुविधा और सक्षम बनाएगा।

विद्यालय प्रमुखों से अनुरोध है कि वे संबंधित विद्यार्थियों को संक्षिप्त जानकारी दें और विद्यार्थियों को जी20 के विषय में जागरूक करने के लिए प्रश्नोत्तरी, भाषण प्रतियोगिता, निबंध और नारा लेखन प्रतियोगिता आदि जैसी गतिविधियों का आयोजन करें।

डॉ. जोसफ इमानुवल
निदेशक (शैक्षणिक)

संलग्नक : उपरोक्तानुसार

नीचे दर्शाए अनुसार निदेशालयों, संगठनों और संस्थानों के संबंधित प्रमुखों को उनके अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत सभी विद्यालयों को सूचना प्रसारित करने के अनुरोध के साथ प्रति:

1. आयुक्त, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, 18 संस्थागत क्षेत्र, शहीद जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली-16
2. आयुक्त, नवोदय विद्यालय समिति, बी-15, सेक्टर-62, संस्थागत क्षेत्र, नोएडा- 201309
3. सचिव, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस), जनजातीय मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार,शास्त्री भवन, ए-विंग, डॉ. राजेंद्र प्रसाद रोड, नई दिल्ली, 110001
4. सचिव, सैनिक विद्यालय सोसायटी, कमरा नं. 101, डी-1 विंग, सेना भवन, न्यू दिल्ली-110001।
5. अध्यक्ष, ओडिशा आदर्श विद्यालय संगठन (ओएवीएस), एन-1/9, दूरदर्शन केंद्र के पास, पीओ सैनिक विद्यालय नयापल्ली, भुवनेश्वर, ओडिशा-751005।

6. शिक्षा निदेशक, शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054
7. सार्वजनिक निर्देश निदेशक (विद्यालय), संघ शासित प्रदेश सचिवालय, सेक्टर-9, चंडीगढ़- 160017
8. निदेशक (परीक्षा और विद्यार्थी वृत्ति), मानव संसाधन विकास विभाग, गंगटोक, सिक्किम सरकार, सिक्किम-737101
9. माध्यमिक शिक्षा निदेशक, शिक्षा विभाग, अरुणाचल प्रदेश सरकार, ईटानगर - 791111।
10. निदेशक (शिक्षा), शिक्षा निदेशालय वीआईपी रोड, अंडमान और निकोबार द्वीप, पोर्ट ब्लेयर - 744103
11. शिक्षा निदेशक, एस.आई.ई., केमाशिबो प्रकोष्ठ, वीआईपी रोड, जंगली घाट, पी.ओ. 744103, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
12. निदेशक, केंद्रीय तिब्बती विद्यालय प्रशासन, ईएसएसएसएस प्लाजा, सामुदायिक केंद्र, सेक्टर-3, रोहिणी, दिल्ली।
13. सेना शिक्षा के अतिरिक्त महानिदेशक, ए-विंग, सेना भवन, डीएचक्यू, पीओ, नई दिल्ली-110001।
14. निदेशक एडब्ल्यूईएस, रक्षा मंत्रालय (सेना) का एकीकृत मुख्यालय, एफडीआरसी बिल्डिंग नंबर 202, शंकर विहार (एपीएस के पास), दिल्ली कैंट-110010
15. केमाशिबो के सभी क्षेत्रीय निदेशकों/क्षेत्रीय अधिकारियों को इस परिपत्र को किसी भी क्षेत्र में बोर्ड के संबद्ध विद्यालयों के सभी प्रमुखों को भेजने के अनुग्रह के साथ
16. सभी संयुक्त सचिव / उप सचिव / सहायक सचिव / वरिष्ठ निजी सचिव / विश्लेषक, केमाशिबो
17. सभी प्रमुख/ प्रभारी, उत्कृष्टता केंद्र, केमाशिबो
18. इस परिपत्र को केमाशिबो की शैक्षणिक वेबसाइट पर डालने की मांग के साथ प्रभारी आईटी इकाई
19. प्रभारी, पुस्तकालय
20. प्रमुख (मीडिया और जनसंपर्क), केमाशिबो
21. अध्यक्ष , केमाशिबो के उप सचिव
22. सचिव, केमाशिबो के वरिष्ठ निजी सचिव
23. निदेशक (शैक्षणिक), केमाशिबो के वरिष्ठ निजी सचिव
24. निदेशक (सूचना प्रौद्योगिकी), केमाशिबो को वरिष्ठ निजी सचिव
25. परीक्षा नियंत्रक, केमाशिबो के प्रधान निजी सचिव
26. निदेशक (कौशल शिक्षा), केमाशिबो के वरिष्ठ निजी सचिव
27. निदेशक (व्यावसायिक परीक्षा), केमाशिबो के प्रधान निजी सचिव
28. निदेशक (प्रशिक्षण), केमाशिबो के वरिष्ठ निजी सचिव
29. निदेशक (सीटीईटी), केमाशिबो के प्रधान निजी सचिव
30. निदेशक (एडुसैट), केमाशिबो के वरिष्ठ निजी सचिव
31. रिकॉर्ड फ़ाइल

निदेशक (शैक्षणिक)

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संगठन)
CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION
(An Autonomous Organisation Under the Ministry of Education, Govt. of India)
आज़ादी का अमृत महोत्सव

आइए इसके विषय में जानें

बीस का समूह (जी 20)

छठी, सातवीं और आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए एक पठन

शिक्षा मंत्रालय

भारत सरकार

'शिक्षा सदन' ,17 राऊज़ एवेन्यू ,इंस्टीट्यूशनल एरिया, नई दिल्ली –110002
'Shiksha Sadan', 17, Rouse Avenue, Institutional Area, New Delhi – 110002
फ़ोन/Telephone: 011-23212603 वेबसाइट/Website :http://cbseacademic.nic.inई-मेल/e-mail: directoracad.cbse@nic.in.

आइए हम बीस के समूह (जी 20) के विषय में जानें

यहां बीस के समूह (जी20) पर एक बातचीत है जिसमें कान्नन, आस्था और उनकी शिक्षिका श्रीमती एकता जी20, उसकी भूमिकाओं और इस वर्ष भारत के अध्यक्ष पद के विषय में विचार-विमर्श कर रही हैं। आइए उनकी बातचीत पढ़ते हैं ।

आस्था : नमस्कार! कान्नन और नमस्कार महोदया ! कैसे हैं आप?

कान्नन : नमस्ते! मैं ठीक हूं। कैसी हो आस्था?

श्रीमती एकता : नमस्कार। मैं अच्छी हूँ। आप कैसे हैं ?

आस्था : महोदया , मैं जी20 के विषय में जानना चाहूंगी। मैंने इसके विषय में समाचार-पत्र में पढ़ा है और टेलीविजन पर समाचार देखा है। भारत ने जी20 की अध्यक्षता संभाल ली है। हमारे प्रधानमंत्री महोदय ने जी 20 की अध्यक्षता ग्रहण की है।

श्रीमती एकता : हाँ आस्था, आपको सर्वप्रथम यह जानना चाहिए कि भारत लोकतंत्र का स्रोत है और विश्व का प्रथम गणराज्य प्राचीन भारत में ही था। जी20 फोरम भारत को विशेष रूप से जी20 की अध्यक्षता के दौरान विश्व को अपने लोकतांत्रिक लोकाचार को संप्रेषित करने का अनूठा अवसर प्रदान करता है।

कान्नन : वाह। आस्था की तरह मैं भी जी20 के विषय में जानना चाहता हूं।

श्रीमती एकता : बहुत अच्छा। मुझे बहुत खुशी है कि आप जानते हैं कि सम्पूर्ण विश्व में क्या हो रहा है। यह जिज्ञासा और रुचि, मुझे यह पसंद है। अच्छा। जी20 के विषय में बताने से पहले मैं आपसे एक प्रश्न पूछती हूं। क्या आप जी20 के विस्तार के विषय में जानते हैं?

कान्नन : हां मुझे पता है। यह '**बीस का समूह**' है?

आस्था : हाँ। मैं भी जानती हूँ। क्या इसलिए कि बीस देश जी20 के सदस्य हैं?

श्रीमती एकता : क्या उनमें से सभी 20 देश या कोई संगठन या देशों का समूह भी इसमें है?

कान्नन : हाँ। मुझे लगता है कि वे सभी देश हैं।

श्रीमती एकता: नहीं। 19 देश और देशों का एक संघ **यूरोपीय संघ** के रूप में जाना जाता है। इसे हम आगे समझेंगे। आइए अब जानते हैं कि जी20 क्या है; यह क्यों बनाया गया था और इसी प्रकार के अन्य प्रश्न।

कान्नन : जी महोदया। कृपया हमें इसके विषय में बताइए।

श्रीमती एकता : जी20, या बीस का समूह, अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग और आपसी समझ का एक मंच है। यह विश्व के 20 का एक अंत:सरकारी मंच है। अंत:सरकारी का अर्थ है दो या दो से अधिक सरकारें। आप देखिए 19 देशों की सरकारें हैं और एक यूरोपीय संघ है जो यूरोप के अधिकांश देशों का एक और मंच है।

आस्था : ओह! यह बहुत अच्छा है - कई देशों का एक मंच। महोदया मेरा एक सवाल है। आपने कहा कि यह एक अंत:सरकारी संगठन है जिसे हम समझते हैं। आपने यह भी कहा कि यह 20 प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का मंच है। यह क्या है, 'विकसित' और 'विकासशील' देश?

कान्नन : हाँ। क्या आप कृपया हमें इसके विषय में बता सकती हैं?

श्रीमती एकता : आप जानते हैं कि विश्व के कुछ देश एक अवधि में आर्थिक रूप से विकसित हुए हैं और उनके पास भौतिक संपदा है, उच्च जीवन स्तर है, और वे बहुत सारी व्यापारिक गतिविधियों में संलग्न हैं। उन्हें विकसित देशों के रूप में जाना जाता है। विकसित देशों में अधिकांश लोग विकासशील देशों की तुलना में अधिक आय अर्जित करते हैं। जी-20 के इस मंच में विकसित देश और विकासशील दोनों प्रकार के देश सम्मिलित हैं। यह देशों की इन दो श्रेणियों के बीच की खाई को पाटने के लिए है। आप इसे देख सकते हैं। इसमें विश्व के 19 देश, अंटार्कटिका (जहां कोई मानव आबादी नहीं रहती है) के अतिरिक्त सभी महाद्वीपों से हैं। आस्था और कान्नन, यहां देशों की सूची दी गई है। आप इसे पढ़ें।

आस्था और कान्नन : जी महोदया। यहाँ देशों के नाम हैं। यह वर्णानुक्रम में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य

अमेरिका और यूरोपीय संघ में दिया गया है। ।

कान्नन : मुझे देखने दें कि अफ्रीका का कौन सा देश जी20 का सदस्य है। हाँ, यह दक्षिण अफ्रीका है।

आस्था : मैं आपको बताती हूं कि हमारे महाद्वीप एशिया से भारत, चीन, इंडोनेशिया, जापान, कोरिया गणराज्य, सऊदी अरब और तुर्की देश इसमें सम्मिलित हैं।

कान्नन : हाँ। लेकिन तुर्की एशिया और यूरोप दोनों में है।

आस्था : हाँ। रूस की तरह जो एशिया और यूरोप में फैला हुआ है।

श्रीमती एकता : तो, क्या हम कह सकते हैं कि यह वास्तव में आर्थिक और राजनीतिक सहयोग का एक वैश्विक मंच है?

आस्था : हाँ। यह वास्तव में एक वैश्विक मंच है।

कान्नन : इसलिए यह भारत में हम सभी के लिए एक ऐतिहासिक क्षण और गर्व का क्षण है कि भारत ने जी20 की अध्यक्षता संभाली है।

श्रीमती एकता : हाँ निश्चित रूप से। क्या आप जानते हैं कि भारत ने 1 दिसंबर 2022 से 30 नवंबर 2023 तक यह पद संभाला है?

कान्नन : हाँ। महोदया, मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि इसे कब शुरू किया गया था? यह जी20 कैसे और क्यों प्रारंभ हुआ?

श्रीमती एकता: मुझे आपकी रुचि पसंद है। मैं आपको बता दूँ। वैश्विक आर्थिक और वित्तीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों के लिए एक मंच के रूप में एशियाई वित्तीय संकट के बाद 1999 में जी20 की स्थापना की गई थी। एशियाई देशों को प्रभावित करने वाला एक वित्तीय संकट था और आर्थिक संकट को दूर करने के लिए इस जी20 का गठन किया गया था। ध्यान दें, कि इसकी शुरुआत वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंकों के गवर्नरों के एक मंच के रूप में हुई थी। सेंट्रल बैंक भारत में रिजर्व बैंक है। वर्ष 2007 में, वैश्विक आर्थिक और वित्तीय संकट होने पर जी20 को देशों / सरकार के प्रमुखों के स्तर पर अपग्रेड किया गया था जिसने विश्व के सभी देशों को प्रभावित किया था। वर्ष 2009 में जी20 को 'अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिए प्रमुख मंच' नामित किया गया था। यह आर्थिक सहयोग

और आपसी समझ और समर्थन के लिए वास्तव में एक वैश्विक मंच बन गया।

कान्नन : ओह! धन्यवाद महोदया । यह रुचिकर है। यह सभी को लाभान्वित करने के लिए एक वैश्विक मंच के रूप में विकसित हुआ है।

आस्था : मैं जी20 के परिवर्तन के विषय में जानने के लिए काफी उत्साहित हूं। महोदया जी-20 का एक लोगो है। क्या आप हमें जी20 लोगो के विषय में बता सकते हैं?

श्रीमती एकता : आप इसे यहां देख सकते हैं । हमारे राष्ट्रीय पुष्प कमल पर शून्य के स्थान पर पृथ्वी के साथ G2 है । इसके अन्दर **हिंदी में भारत, 2023 और इंडिया है।** अंतर्राष्ट्रीय सहयोग अधिक प्रमुखता प्राप्त कर रहा है क्योंकि विश्व अर्थव्यवस्था और डिजिटल प्रौद्योगिकी के कारण अधिक से अधिक एकीकृत हो रही है। हालाँकि, भारत 3000 से अधिक वर्षों से इस भावना से ओत-प्रोत है और हमेशा सहयोग में सबसे आगे रहा है। लोगो के नीचे प्राचीन संस्कृत पाठ, महा उपनिषद वसुधैव कुटुंबकम- एक पृथ्वी एक परिवार एक भविष्य का प्रेरक उद्धरण है। जी20 के माध्यम से भारत का विश्व को यह संदेश है कि 'विश्व एक परिवार है'। यह विषय इसे आज की विश्व के लिए प्रासंगिक बनाता है क्योंकि कई देशों में संघर्ष और युद्ध, गरीबी और अन्य समस्याएं लोगों और समुदाय के जीवन को समग्र रूप से प्रभावित कर रही हैं।

G20 भारत 2023 INDIA

वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

जी20 लोगो भारत के राष्ट्रीय ध्वज के जीवंत रंगों - केसरिया, सफेद और हरा और नीला से प्रेरणा लेता है। यह पृथ्वी ग्रह को कमल के साथ जोड़ता है, भारत का राष्ट्रीय पुष्प जो चुनौतियों के बीच विकास को दर्शाता है। विषय सभी के जीवन का मूल्य - मानव, पशु, पौधे, और सूक्ष्मजीव - और ग्रह पृथ्वी पर और व्यापक ब्रह्मांड में उनका अंतर्संबंध की पुष्टि करता है ।

आस्था : यह रुचिकर और प्रेरणादायक दोनों है। मुझे एक भारतीय के रूप में गर्व अनुभव हो रहा है।

कान्नन : मुझे भी ऐसा ही लगता है, एक गौरवान्वित भारतीय।

श्रीमती एकता: मैं आपको जी20 लोगो के थीम के विषय में भी कुछ और जानकारी भी देती हूँ। इसका विषय व्यक्तिगत जीवन शैली के साथ-साथ राष्ट्रीय विकास दोनों के स्तर पर इसके संबद्ध, पर्यावरणीय रूप से स्थाई और जिम्मेदार विकल्पों के साथ लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) को भी उजागर करता है, जिससे विश्व स्तर पर परिवर्तनकारी कार्रवाइयां होती हैं, जिसके परिणामस्वरूप एक स्वच्छ, हरित और धुंधला भविष्य होता है।

आस्था : ओह! समझी। हम जैसे युवाओं के लिए इसकी बहुत अधिक आवश्यकता है। हमें अपने पर्यावरण को संरक्षित करने की आवश्यकता है।

श्रीमती एकता : मैं आपके साथ यह भी साझा करती हूं कि 2021 में ग्लासगो में पार्टियों के सम्मेलन (सीओपी 26) में हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा जीवन शैली (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) की अवधारणा को प्रतिपादित किया गया था। जी20 के विषय में कुछ और जानकारी और यह कैसे महत्वपूर्ण है । आप भली-भांति जानते हैं कि हम अपनी आजादी के 75वां वर्ष मना रहे हैं। भारत के लिए, जी20 प्रेसीडेंसी भी '**अमृतकाल**' के शुरुआत का प्रतीक है, 15 अगस्त 2022 को इसकी स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ से शुरू होने वाली 25 वर्ष की अवधि,

इसकी स्वतंत्रता की शताब्दी तक, एक भविष्यवादी, समृद्ध, समावेशी और विकसित समाज, इसके मूल, केंद्र में मानव-केंद्रित दृष्टिकोण से प्रतिष्ठित है।

कान्नन : यह वाकई रोमांचक है! मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि ये कैसे साकार होते हैं।

आस्था : हाँ। महोदया यह मुझे आपसे एक और सवाल पूछने के लिए मजबूर कर रहा है। जी20 के एक भाग के रूप में भारत किन गतिविधियों और कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है?

श्रीमती एकता : इसमें भाग लेने और योगदान देने के लिए सभी के लिए बहुत सारी गतिविधियाँ हैं। भारत 50 से अधिक शहरों में 32 विभिन्न कार्य धाराओं यानी विषय और कार्य क्षेत्र में 200 से अधिक बैठकों की मेजबानी करेगा। इन बैठकों के माध्यम से जी20 देशों और अतिथि देशों से भी जी20 प्रतिनिधियों और अतिथियों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की एक झलक प्रदान करने हमारे पास का अवसर होगा और उन्हें एक अद्वितीय भारतीय अनुभव प्रदान करेंगे।

आस्था : आपने कहा कि कुछ देशों को अतिथि देशों के रूप में आमंत्रित किया गया है। इसके विषय में आप हमें बाद में बताइयेगा। अब मैं एक प्रश्न पूछता हूं, "क्या हमारे, विद्यालय, विद्यार्थियों के लिए कोई गतिविधि होगी?"

कान्नन : मैं भाग लेने के लिए उत्सुक हूं।

श्रीमती एकता : हाँ। विद्यालय और विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए कई गतिविधियाँ और कार्यक्रम हैं। कुछ गतिविधियां पहले ही प्रारंभ/शुरू की जा चुकी हैं। आप उनमें भाग ले सकते हैं। दो प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं हैं - एक जी20 के विषय में सामान्य जागरूकता पर और दूसरी पर्यावरण प्रश्नोत्तरी के लिए जीवन शैली पर। ये दो प्रश्नोत्तरी पहले ही लॉन्च की जा चुकी हैं और https://quiz.mygov.in पर उपलब्ध हैं। एक नारा लेखन प्रतियोगिता भी शुरू की गई है। आप उसे ऑनलाइन देख सकते हैं और जी20 और उसके विभिन्न पहलुओं पर एक नारा लिख सकते हैं।

कान्नन : मैं अवश्य भाग लूंगा।

आस्था :मैं भी अभी करूँगी।

श्रीमती एकता: पूरे वर्ष के लिए कई और कार्यक्रम निर्धारित हैं। स्कूली शिक्षार्थियों के लिए संवर्धित वास्तविकता (एआर) और आभासी वास्तविकता (वीआर) प्रदर्शनियां। गतिविधियों की समय-

सारणी में दर्शाए गए विभिन्न स्थानों पर विज्ञान प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी। आप उन्हें समर्पित जी20 वेबसाइट G20.org और शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की वेबसाइट और एनसीईआरटी की वेबसाइट https://ncert.nic.in से भी देख सकते हैं। आस्था और कान्हन, मैंने आपको बताया था कि वहां कुछ देशों को अतिथि देशों के रूप में आमंत्रित किया गया है। मैं उन्हें इन देशों के विषय में बताती हूं। अतिथि देश हैं: हमारे पड़ोसी, बांग्लादेश, मिस्र, मॉरीशस, नीदरलैंड, नाइजीरिया, ओमान, सिंगापुर, स्पेन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई)

Guest Countries

आस्था : यह पुन: विश्व भर के देश हैं।

कान्हन: अच्छा! सभी देशों को एक साथ लाने का अर्थ है विश्व के लोगों को एक साथ लाना ताकि एक सामंजस्यपूर्ण जीवन व्यतीत किया जा सके।

श्रीमती एकता : बिल्कुल! चलिए आपको भी बता देते हैं। संयुक्त राष्ट्र जैसे कई अंतरराष्ट्रीय संगठन भी भारत की अध्यक्षता के दौरान जी20 गतिविधियों में भाग लेंगे।

आस्था :ठीक है। कौन-कौन से संगठन हैं?

श्रीमती एकता : कान्हन, क्या आप अनुमान लगा सकते हैं?

कान्हन : मुझे पता है कि यूएनओ वहां होगा। परंतु...।

श्रीमती एकता:हाँ। तुम सही हो। लेकिन कई और संगठन जी20 गतिविधियों में आमंत्रितों के रूप में भाग ले रहे हैं। इनमें सम्मिलित हैं: संयुक्त राष्ट्र, अंतर्राष्ट्रीय निगरानी कोष (IMF), विश्व बैंक (WB), विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO), विश्व व्यापार संगठन (WTO), अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO), वित्तीय स्थिरता बोर्ड (FSB) आर्थिक सहयोग संगठन -ऑपरेशन एंड डेवलपमेंट (OECD) और एशियाई विकास बैंक (ADB) जैसे कई और क्षेत्रीय संगठन।

आस्था और कान्नन: जी20 और इसकी भूमिका और कार्य के विषय में हमें समझाने और अवगत कराने के लिए धन्यवाद महोदया, भारत के साथ-साथ विश्व के अन्य देशों के लिए भारत की अध्यक्षता कितनी महत्वपूर्ण है।

श्रीमती एकता: ठीक है। आपका स्वागत है। मैं आपको यह भी बता दूं कि भारत इस वर्ष की जी20 घटनाओं की प्रस्तुत कश करता है और बनाता है और भारत की अध्यक्षता अद्वितीय और विशिष्ट है कि **भारत की जी20 अध्यक्षता, जी20 को जनता के निकट ले जाएगी और इसे सही मायने में 'जनता का जी20' बनाएगी।** इसे अनुभव करने के लिए, वर्ष भर विभिन्न **जनभागीदारी गतिविधियों के माध्यम से नागरिक जुड़ाव और बड़े पैमाने पर सार्वजनिक भागीदारी की योजना बनाई गई है।** यह भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का विजन है।

आस्था और कान्नन : धन्यवाद महोदया ।

श्रीमती एकता: आपका स्वागत है। मैं तुम दोनों के लिए दो कार्य देती हूं। जैसा कि पहले आपने वादा किया था, क्विज और स्लोगन प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए।
अन्य कार्य जी20 वेबसाइट https://www.जी20.org पर जाना है और देशों और उनके सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पहलुओं के विषय में पढना है ।

आस्था और कान्नन : अवश्य महोदया । हम करेंगे।

शिक्षार्थियों, जी20 पर बातचीत कैसी रही? क्या आपने भी जी20 के विषय में जाना? यहां आपके लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं और बातचीत को पढ़ने के आधार पर उन्हें हल करने का प्रयास करें।

1. जी20 क्यों बनाया गया था?
2. जी20 की शुरुआत में सदस्य देशों में से किसने भाग लिया था?
3. जी20 के अध्यक्ष अब कौन हैं?
4. जी20 लोगो क्या संदेश देता है?
5. हमारे देश, अपने शहर/गाँव/शहर के विषय में और यहाँ के लोग कैसे हैं, त्योहारों आदि के विषय में बताते हुए जी20 देशों में से किसी एक में अपने जैसे विद्यार्थियों को एक पत्र लिखें।

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संगठन)
CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION
(An Autonomous Organisation Under the Ministry of Education, Govt. of India)

बीस का समूह (जी 20)

कक्षा IX, X, XI और XII के विद्यार्थियों के लिए एक पठन

शिक्षा मंत्रालय

भारत सरकार

बीस का समूह (जी 20)

शिक्षार्थियों! आप जानते हैं और आपने अपने सामाजिक विज्ञान की कक्षाओं में सीखा होगा कि कैसे संयुक्त राष्ट्र संगठन (यूएनओ) जैसा अंतर्राष्ट्रीय मंच विश्व के देशों को शांति, विकास और मजबूत करने के लिए विश्व के राष्ट्रों और लोगों के बीच संबंध और सहयोग को एक साथ लाने और काम करने के लिए अस्तित्व में आया। इनमें से कुछ संगठन वैश्विक स्तर पर हैं, वे अंतर्राष्ट्रीय हैं और उनमें से कुछ क्षेत्रीय स्तर पर हैं। संगठन बनाने के लिए देश एक साथ क्यों आते हैं? क्या उनका कोई सामान्य कारण या रुचि है? हाँ। अगर आपने अंदाजा लगाया है तो आप बिल्कुल सही हैं। वे एक सामान्य कारण और पारस्परिक लाभ और समझ के लिए और विश्व को रहने के लिए एक उन्नत जगह बनाने के लिए एक साथ आते हैं। आपको गुटनिरपेक्ष आंदोलन (एनएएम), दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) और यूरोपीय संघ के विषय में भी जानकारी होगी। क्या आप जी20 के विषय में जानते हैं? यह कैसे अस्तित्व में आया? आइए हम जी20 के विषय में समझें और जानें।

शिक्षार्थियों! **जी20 के रूप में जाना जाने वाला बीस का समूह अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग का एक मंच है।** भारत ने 1 दिसंबर 2022 को इसकी अध्यक्षता ग्रहण की है और 30 नवंबर 2023 तक इसे संभालेगा। यह भारत में नागरिकों के रूप में और एशिया और अफ्रीका के देशों के लिए और अन्य सभी देशों के लिए भी गर्व का क्षण है क्योंकि भारत ने इतिहास में समय की एक महत्वपूर्ण अवधि में जी20 की अध्यक्षता अपने अधिकार में प्राप्त की है। यह भी उपयुक्त है कि भारत जी20 का नेतृत्व कर रहा है क्योंकि भारत प्राचीन भारत में उत्पन्न विश्व के पहले गणराज्य के रूप में लोकतंत्र का स्रोत है। भारत 3000 से अधिक वर्षों से लोकतंत्र की भावना से ओत-प्रोत है और हमेशा सहयोग में सबसे आगे रहा है। जी20 फोरम भारत को अपने लोकतांत्रिक लोकाचार को विश्व के सामने संप्रेषित करने का अनूठा अवसर देता है।

वैश्विक आर्थिक और वित्तीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों के लिए

एक मंच के रूप में एशियाई वित्तीय संकट के बाद 1999 में जी20 की स्थापना की गई थी।. जैसा कि आप जानते हैं कि भारत में सेंट्रल बैंक को भारतीय रिजर्व बैंक के नाम से जाना जाता है। अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के एक प्रमुख मंच के रूप में, जी20 सभी प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक मुद्दों पर वैश्विक वास्तुकला और शासन को आकार देने और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अंतर्राष्ट्रीय मंच के रूप में **जी20 की भूमिका को सदस्य देशों के आर्थिक और आपसी सहयोग के लिए अपनी पहल के माध्यम से मान्यता दी गई थी और बीस के समूह को मजबूत किया गया था और 2007 के वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान राज्य के प्रमुखों के स्तर तक उन्नत किया गया था और इसे प्राप्त किया गया था। 'अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिए प्रमुख मंच'** के रूप में नामित किया गया। यह जी20 को अपने सदस्य देशों के बीच आर्थिक सहयोग के लिए वास्तव में एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन बनाता है।

जी20 सदस्य कौन हैं?

जी20 में 19 देश और सदस्य के रूप में यूरोपीय संघ के रूप में जाने जाने वाले देशों का एक संगठन सम्मिलित है। जी20 के सदस्य हैं: **अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ।** देश विश्व भर से हैं और ये सदस्य वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 85%, वैश्विक व्यापार के 75% से अधिक और विश्व की आबादी के लगभग दो-तिहाई का प्रतिनिधित्व करते हैं। **यही कारण है कि जी20 वर्तमान आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भों से एक महत्वपूर्ण संगठन है क्योंकि प्रत्येक देश वैश्वीकरण के संदर्भ में आर्थिक विकास और आत्मनिर्भर देश बनने के लिए स्वयं को सक्षम बनाने का प्रयास करता है।**

जी20 लोगो

क्या आप जी20 लोगो और इसका अर्थ जानते हैं?

जी20 लोगो को भारत के सार और स्वदेशी ज्ञान को व्यक्त करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। आप नीचे देख सकते हैं क्योंकि यह मानव अस्तित्व **वसुधैव कुटुम्बकम, विश्व एक परिवार है** की व्यापक दृष्टि को दर्शाता है। जी20 वेबसाइट **g20.org** को हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी द्वारा लॉन्च किया गया था

और भारत ने जी20 के पूर्व अध्यक्ष इंडोनेशिया से ट्विटर हैंडल @जी20org सहित आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल को संभाल लिया है।

G20
भारत 2023 INDIA

वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

जी20 लोगो ने **भारत के राष्ट्रीय ध्वज के जीवंत रंगों - केसरिया, सफेद और हरा और नीला से प्रेरणा ली है। यह पृथ्वी ग्रह को कमल के साथ जोड़ता है, भारत का राष्ट्रीय पुष्प जो चुनौतियों के बीच विकास को दर्शाता है।** विषय सभी जीवन-मानव, पशु, पौधे और सूक्ष्मजीवों के मूल्य और पृथ्वी ग्रह और व्यापक ब्रह्मांड में उनकी परस्पर संबद्धता की पुष्टि करता है। इसके अतिरिक्त, लोगो, जैसा कि आप देख सकते हैं, हमारे राष्ट्रीय पुष्प कमल पर शून्य के स्थान पर पृथ्वी के साथ G2 है। **जिसके अंतर्गत हिंदी में *भारत* 2023 और अंग्रेजी में इंडिया** लिखा हुआ है। प्राचीन संस्कृत पाठ, महा उपनिषद, **वसुधैव कुटुम्बकम - एक पृथ्वी एक परिवार एक भविष्य का प्रेरक उद्धरण विश्व को भारत के संदेश - 'विश्व एक परिवार है' को दर्शाता है। एक साथ रहने और दूसरों के साथ रहने की आवश्यकता है।** यह जी20 विषय शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और आपसी देखभाल की आवश्यकता को रेखांकित करता है। यह विश्व के देशों और लोगों को हमारे और हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर विश्व बनाने के महत्व को समझने और अनुभव करने में सहायता करता है।

जी20 एजेंडा क्या हैं?

यदि हम बारीकी से ध्यान दें तो जी20 को व्यापक व्यापक आर्थिक मुद्दों पर प्रमुख रूप से ध्यान केंद्रित

करते हुए आर्थिक सहयोग के एक मंच के रूप में लॉन्च किया गया था, लेकिन समय के साथ और आवश्यकता को पहचानते हुए इसने अपने एजेंडा का विस्तार किया है और **इसमें व्यापार, जलवायु परिवर्तन, सतत विकास, स्वास्थ्य, कृषि, ऊर्जा, पर्यावरण और भ्रष्टाचार विरोधी तत्वों को भी सम्मिलित किया गया है ।** जी20 का एजेंडा और जनादेश अब अपने सदस्यों पर विचार-विमर्श करने और उन्हें लाभान्वित करने के लिए वर्तमान समय की जरूरतों को पूरा करता है।

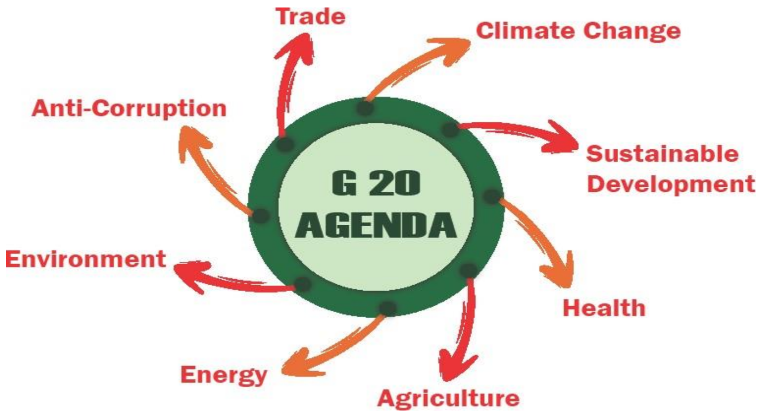

जी20 अध्यक्षता जी20 एजेंडा को कैसे संचालित करती है?

- जी20 दो समानांतर ट्रैक से बना हैं: **फाइनेंस ट्रैक और शेरपा ट्रैक**।
- वित्त मंत्री और केंद्रीय बैंक के गवर्नर वित्त ट्रैक का नेतृत्व करते हैं।
- शेरपा वित्त ट्रैक के पश्चात **शेरपा ट्रैक** का नेतृत्व करते हैं।
- शेरपा राज्य के प्रमुख या प्रमुख का प्रतिनिधि होता है।
- एक शेरपा एक राज्य प्रमुख या सरकार के प्रमुख का प्रतिनिधि होता है जो एक अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन तैयार करता है। यह नाम नेपाली जातीय समुदाय शेरपा लोगों से लिया गया है, जो हिमालय में गाइड के रूप में काम करते हैं। इसलिए यह नाम दिया गया है।
- दो ट्रैक्स के भीतर, सदस्यों के संबंधित मंत्रालयों के साथ-साथ अतिथि देशों और आमंत्रित अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से संबंधित विषयगत रूप से उन्मुख कार्य समूह हैं।

पर्यावरण के लिए जीवन शैली (लाइफ)

जी20 एजेंडे में से एक विषय है **लाइफ** (लाइफ स्टाइल फॉर एनवायरनमेंट) की अवधारणा, जिसका उद्देश्य स्थायी जीवन के लिए प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर रहना है। यह विचार 2021 में ग्लासगो में

पार्टियों के सम्मेलन (सीओपी 26) में हमारे प्रधान मंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रतिपादित किया गया था। हम जानते हैं कि पर्यावरणीय गिरावट प्रत्येक क्षेत्र में लोगों के जीवन को प्रभावित कर रही है। लाइफ जीने के एक ऐसे तरीके की परिकल्पना करता है जो प्रकृति और अन्य जीवों का सम्मान करता है जो हमारे साथ सह-अस्तित्व में हैं, एक हरी-भरी और स्वच्छ पृथ्वी के लिए मनुष्य।

जी20 पहल और गतिविधियां क्या हैं?

जी20 विश्व की प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ लाता है, जिससे यह अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग का एक प्रमुख मंच बन जाता है। आइए इसे थोड़ा और समझते हैं। यह एक ऐसा मंच है जो विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को एक दूसरे से पारस्परिक रूप से लाभान्वित करने के लिए बांधता है। एक तरह से यह मंच विश्व अर्थव्यवस्थाओं के बीच असमानता और विषमता को कम करने का प्रयास करता है।

भारत सरकार ने अपनी अध्यक्षता के दौरान देश भर में कई गतिविधियों व कार्यक्रमों की शुरुआत की है। एक प्रमुख तत्व जी20 को जनता के करीब ले जाएगा और इसे सही मायने में '**जनता का जी20**' बना देगा। इसे अनुभव करने के लिए, वर्ष भर विभिन्न जनभागीदारी गतिविधियों के माध्यम से नागरिक जुड़ाव और बड़े पैमाने पर सार्वजनिक भागीदारी की योजना बनाई गई है। भारत 32 विभिन्न कार्य धाराओं में 50 से अधिक शहरों में 200 से अधिक बैठकों की मेजबानी करेगा, और जी20 प्रतिनिधियों और मेहमानों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की एक झलक प्रस्तुत करने और उन्हें एक अद्वितीय भारतीय अनुभव प्रदान करने का अवसर प्रदान करेगा। दिसंबर 2022 के दौरान कोहिमा में आयोजित हॉर्नबिल फेस्टिवल में जब भारत ने जी20 की अध्यक्षता संभाली तो जी20 पर विशेष ध्यान दिया गया। एक सौ कुछ यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों सहित स्मारकों को प्रकाशित किया गया था और इन प्रबुद्ध स्मारकों के आसपास माइगोव पर एक सेल्फी अभियान में सम्मिलित होने के लिए नागरिकों को आमंत्रित किया गया था।

कुछ देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को जी20 शिखर सम्मेलन और बैठकों में अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाता है। यह निम्न प्रकार से दर्शाए देश हैं।

अंतर्राष्ट्रीय संगठन जिन्हें अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया

संयुक्त राष्ट्र संघ, अंतर्राष्ट्रीय मॉनिटरी फंड (IMF), विश्वबैंक (पश्चिम बंगाल), विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO), विश्व व्यापार संगठन (WTO), अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO), वित्तीय स्थिरता बोर्ड (FSB) आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD) और कई और क्षेत्रीय संगठन जैसे एशियाई विकास बैंक (ADB)।

विद्यार्थियों के लिए कौन-सी गतिविधियाँ हैं?

विद्यालय और विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए कई गतिविधियाँ और कार्यक्रम हैं। कुछ गतिविधियां पहले से ही प्रारंभ/शुरू की जा चुकी हैं। यह गतिविधियाँ हैं:

- जी20 पर सामान्य जागरूकता प्रश्नोत्तरी
- पर्यावरण के लिए जीवन शैली (लाइफ) प्रश्नोत्तरी
- जी-20 पर नारा लेखन प्रतियोगिता

ये दो प्रश्नोत्तरियां और नारा लेखन प्रतियोगिता https://quiz.mygov.in पर उपलब्ध हैं।

- स्कूली विद्यार्थियों के लिए प्रौद्योगिकी सक्षम गतिविधियों (संवर्धित वास्तविकता (एआर) और आभासी वास्तविकता (वीआर) प्रदर्शनी की सर्वोत्तम प्रथाओं की प्रदर्शनी।
- विज्ञान प्रदर्शनी

जी20 को विद्यार्थियों, शिक्षकों और समग्र रूप से लोगों के निकट लाने के लिए स्कूली विद्यार्थियों के लिए भाग लेने और योगदान देने के लिए कई और गतिविधियाँ आयोजित की गयीं है। शिक्षार्थी, जी20 के लिए

समर्पित वेबसाइट g20.org और शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की वेबसाइट और एनसीईआरटी की वेबसाइट पर भी जा सकते हैं।

शिक्षार्थियों हमने जी20, इसके उद्देश्यों, गतिविधियों और कैसे भारत की अध्यक्षता ने सभी को भाग लेने और योगदान करने के लिए कई गतिविधियों का प्रस्ताव दिया है, के विषय में सीखा है। अब जी20 पर अपने अध्ययन के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों को हल करने का प्रयास करें।

1. आपको क्या लगता है कि भारत अपनी जी20 अध्यक्षता से कैसे लाभान्वित हो सकता है?
2. भारत अपने अध्यक्ष के रूप में जी20 देशों को क्या प्रदान कर सकता है?
3. एक विद्यार्थी के रूप में जी20 और अन्य देशों के लिए जी20 एजेंडा में स्कूली विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण विचार, बिंदु या कार्रवाई का सुझाव देते हुए भारत के प्रधानमंत्री को एक पत्र लिखें?
4. जी-20 देशों और उनके नेताओं को हरे-भरे और स्वच्छ वातावरण के लिए आप क्या सुझाव देंगे?